बातचीत

न. 10/2025 | भारतीय थलसेना का प्रकाशन | अक्टूबर 2025

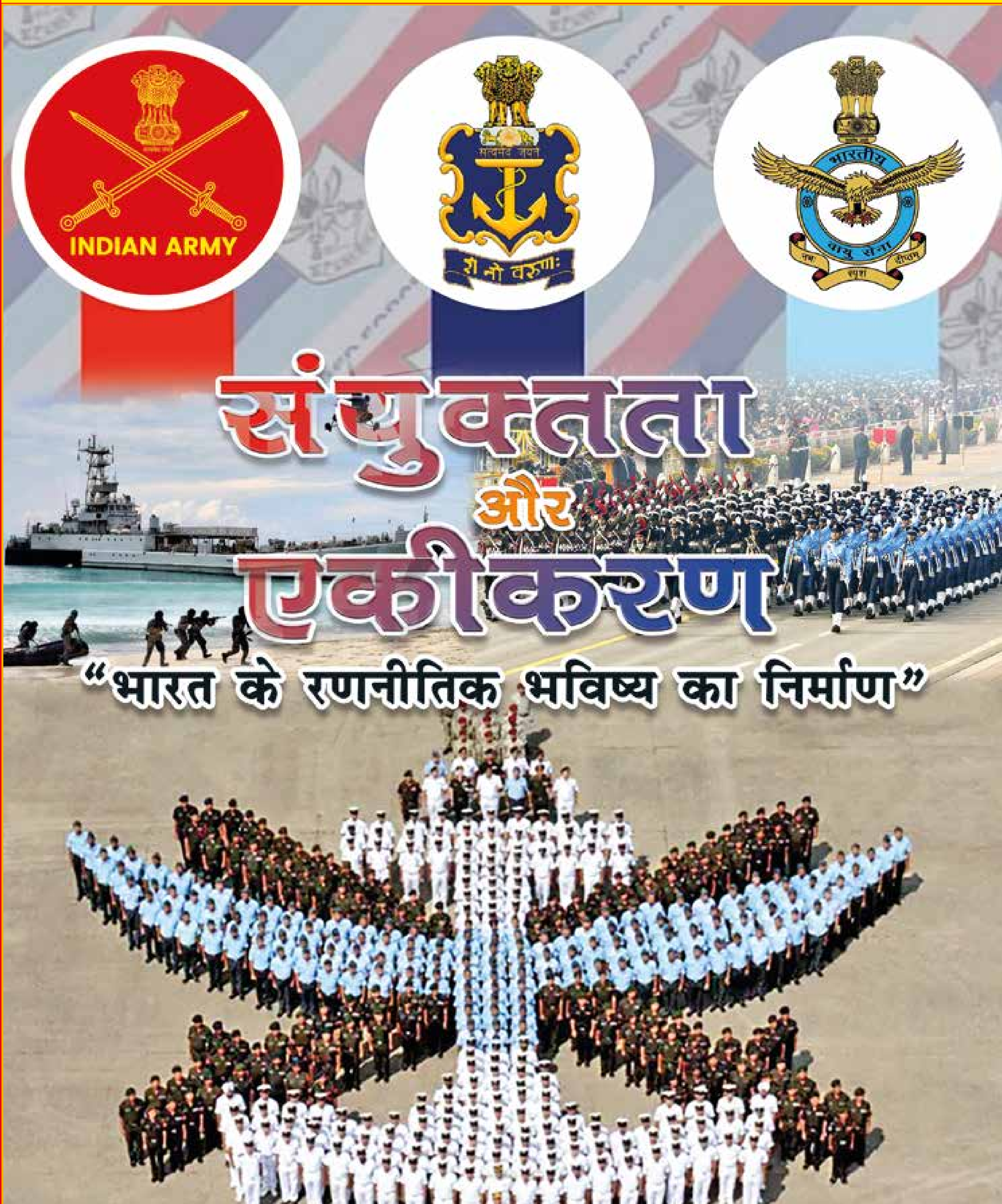

संयुक्तता और एकीकरण

“भारत के रणनीतिक भविष्य का निर्माण”

भारत की सुरक्षा संरचना

सीओएससी (चीफ्स ऑफ स्टाफ समिति) की उप-समितियाँ

जेएससीसी	संयुक्त सेवाएँ संचार समिति
जोल्क	संयुक्त परिचालन लॉजिस्टिक्स समिति
पीएमओसी	मुख्य मेंटनेंस अधिकारियों की समिति
एमएसएसी	चिकित्सकीय सेवाएँ परामर्श समिति
जेपीसी	संयुक्त योजना समिति
जोकॉम	संयुक्त संचालन समिति
आईएसईपीसी	इंटर सर्विसेज उपकरण नीति समिति
पीपीओसी	प्रधान कार्मिक अधिकारियों की समिति
जेएसआईसी	जोइंटर सर्विसेज इंटेलीजेंस समिति
जेईएमबी	संयुक्त इलेक्ट्रॉनिक मैग्नेटिक बोर्ड
पीएसआईसी	प्रधान आपूर्ति अधिकारियों की समिति
जेटीसी	संयुक्त प्रशिक्षण समिति

चीफ्स ऑफ स्टाफ समिति का विकास

2020
चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ और सैन्य मामलों के विभाग का गठन

2017
कैबिनेट सुरक्षा समिति ने सीडीएस के गठन की प्रक्रिया प्रारंभ की

2016
शेकटकर समिति रिपोर्ट

2012
नरेश चंद्र टास्क फोर्स रिपोर्ट

2002
- रक्षा मंत्रालय का एकीकृत मुख्यालय
- एकीकृत रक्षा स्टाफ मुख्यालय
- रणनीतिक बल कमान
- अंडमान एवं निकोबार कमान

1999
कारगिल समीक्षा समिति की रिपोर्ट

1998
राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद की स्थापना

1960
सेनाओं की भूमिका में कमी

1947
- चीफ ऑफ स्टाफ समिति का गठन
- सैन्य शाखा
- कैबिनेट सचिव

भारत की रणनीतिक संरचना

संयुक्तता

संयुक्तता का उद्देश्य कार्यक्षमता बढ़ाना तथा संसाधनों और प्रयासों का सर्वोत्तम उपयोग करना है। यह सैन्य कार्यों के पूरे दायरे तथा सैन्य प्रक्रियाओं के सभी चरणों, अनुसंधान, योजना, क्रय, प्रशिक्षण और अभियानों पर लागू होती है। यह एकीकरण की पहली आवश्यकता है।

एकीकरण

दो भिन्न संस्थाओं या संगठनों को मिलाने की प्रक्रिया को एकीकरण कहा जाता है। यह एक भौतिक प्रक्रिया है, जिसके स्पष्ट परिणाम होते हैं और व्यवहारिक क्षेत्र में संचालित होती है। एकीकरण के माध्यम से सेवाओं की विशिष्ट क्षमताओं और सामर्थ्य को एकीकृत एवं समन्वित प्रयासों द्वारा जोड़ा जाता है।

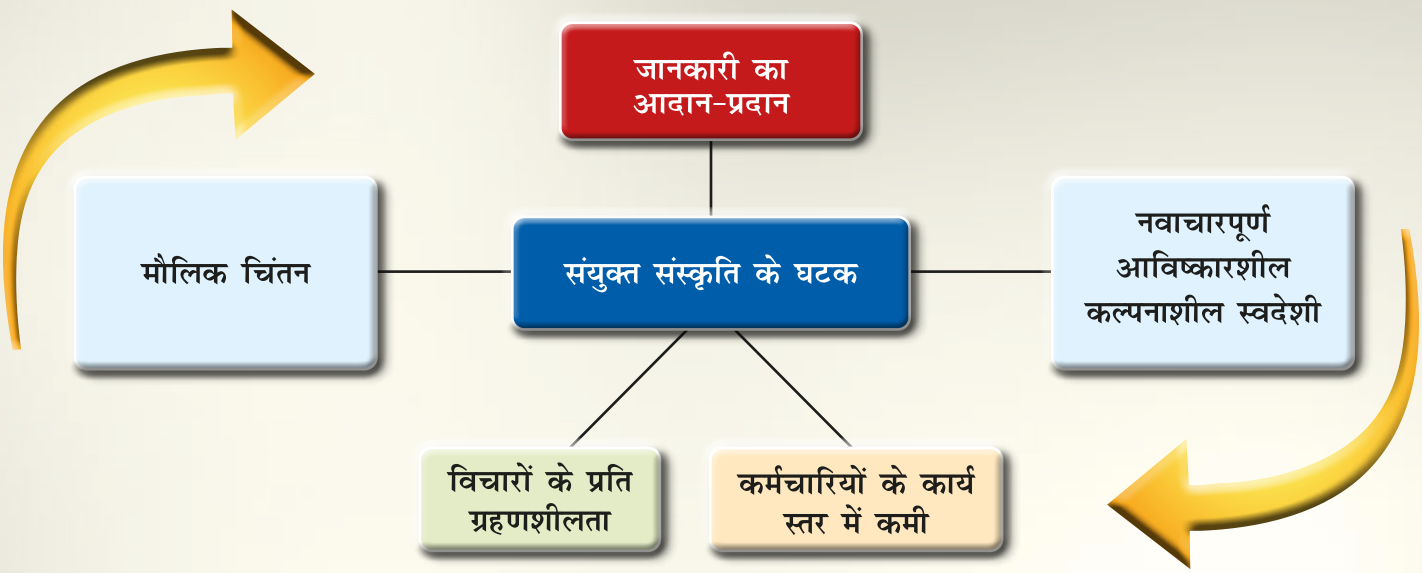

संयुक्तता और एकीकरण के क्षेत्र

1. संचालन एवं खुफिया
2. क्षमता विकास
3. संचार एवं सूचना प्रौद्योगिकी
4. परिचालन लॉजिस्टिक्स
5. प्रशिक्षण
6. मेंटनेंस सहयोग
7. मानव संसाधन
8. प्रशासन एवं विधिक कार्य

"भेड़िए की ताकत उसके झुंड में है, और झुंड की ताकत भेड़िए में।"

संचालन एवं खुफिया तंत्र

संयुक्त योजना

- खुफिया सूचनाओं का परस्पर आदान-प्रदान
- सामान्य संचालन योजना प्रक्रिया का कार्यान्वयन
- चीफ्स ऑफ स्टाफ समिति की लक्ष्य सूची की समीक्षा
- सामान्य संसाधनों के लिए आदर्श संचालन प्रक्रिया
- परिचालन कार्यों के सर्वोत्तमीकरण हेतु त्रि-सेवा एकीकरण लागू करना
- भावी युद्ध प्रकोष्ठ एवं भावी युद्ध प्रशिक्षण पाठ्यक्रम की स्थापना
- त्रि/द्वि-सेवा अभ्यास

संयुक्त कमांडर सम्मेलन

क्षमता विकास

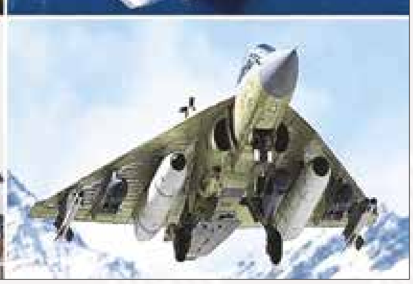

- क्षमता विकास सम्मेलन
- एकीकृत क्षमता विकास योजना का निर्माण
- तीनों सेनाओं के पूंजीगत अधिग्रहण डेटाबेस के रखरखाव के लिए रक्ष यंत्र सॉफ्टवेयर को लागू करना
- संयुक्त अनुबंधों पर हस्ताक्षर
- भावी संयुक्त योजनाएँ – लाइट यूटिलिटी हेलीकॉप्टर, अति अल्प दूरी वायु रक्षा प्रणाली (वीएसएचओआरएडीएस), स्नाइपर राइफलें, नाइट साइट्स, हथियार सिम्युलेटर्स

संचार एवं सूचना प्रौद्योगिकी

- तीनों सेनाओं द्वारा 'संभव' प्रणाली को अपनाना
- प्रशिक्षण और सेंट्रिक्स (सीईएनटीआरआईएक्स) उपयोग के लिए संचार मानक के संचालन की प्रक्रियाएं
- अंतरसंचालनीयता सुनिश्चित करने के लिए सामान्य संचार उपकरणों की खरीद संबंधी नीति
- भास्कराचार्य नेशनल इंस्टीट्यूट फॉर स्पेस एप्लीकेशन एंड जिओ-इन्फॉर्मेटिक्स के अंतर्गत संयुक्त रक्षा स्पेक्ट्रम आवंटन सॉफ्अवेयर का विकास

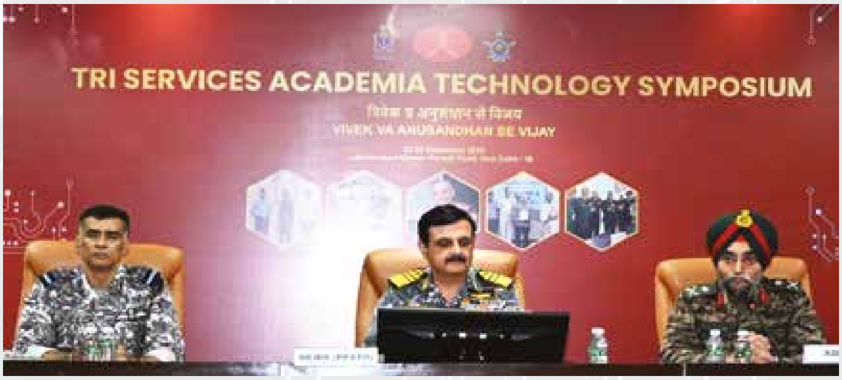

संचालनात्मक रसद लॉजिस्टिक्स

- मुंबई, गुवाहाटी और पंजाब में संयुक्त लॉजिस्टिकस नोड्स (जेएलएनएस) की स्थापना
- लेह, सिलीगुड़ी, प्रयागराज और सुलूर में चार अतिरिक्त जेएलएनएस की स्थापना हेतु सरकारी स्वीकृति पत्र जारी
- गोलाबारूद, राशन और ईंधन-तेल-लुब्रिकेंट के लिए सामान्य भंडारण एवं स्केलिंग नीति
- प्रधानमंत्री गति शक्ति पोर्टल पर सशस्त्र बलों की परियोजनाएँ

प्रशिक्षण

अभ्यास "वायु शक्ति"

- खुफिया, रासायनिक, जैविक, विकिरणीय और परमाणु (सीबीआरएन) सहित अन्य विषयों पर संयुक्त सेवाएँ प्रशिक्षण संस्थान का संचालन
- संयुक्तता एवं एकीकरण को प्रोत्साहित करना
- अधिकारियों का संयुक्त खुफिया प्रशिक्षण
- विशेष बलों का एकीकृत प्रशिक्षण
- जल-थल एवं साइबर स्पेस अभियानों पर संयुक्त सिद्धांत
- अभ्यास "वायु शक्ति" भारतीय वायु सेना के इस अभ्यास में सेना विमानन द्वारा लाइव फायरिंग
- संयुक्त सेना प्रशिक्षण संस्थान-म्यूजिक स्कुल पचमढ़ी

राष्ट्रीय रक्षा अकादमी

रक्षा सेवाएँ स्टाफ कॉलेज

रखरखाव सहायता

- रखरखाव एवं इन्वेंटरी प्रबंधन की इंटर सेवा एकीकरण के अध्ययन और क्रियान्वयन हेतु प्रमुख रखरखाव अधिकारी समिति की स्थापना
- सूचना प्रबंधन कार्य समूह के पहले चरण में सात प्लेटफार्मों का क्रियान्वयन
- संचार उपकरणों के सर्विसिंग हेतु अग्रणी सेवा की नीति

मानव संसाधन

- भारतीय थल सेना प्रतिष्ठानों में 22 भारतीय वायु सेना और 20 भारतीय नौसेना कर्मियों की क्रॉस पोस्टिंग
- भारतीय वायु सेना एवं भारतीय नौसेना के प्रशिक्षण संस्थानों में नियुक्ति
- वरिष्ठ अधिकारियों के लिए सामान्य गोपनीय रिपोर्ट्स

प्रशासन एवं विधिक

- इंटर सर्विसेज संगठन विधेयक
- समान निंदा नीति
- ई-संग्रहालय
- प्रतीक चिन्ह (क्रीस्ट) एवं ध्येय वाक्य (मोटो) की स्वीकृति हेतु समान नीति
- ई-ग्रंथालय
- भारतीय सेना के कॉलेजों में अन्य सेवाओं हेतु रिक्तियों का वितरण

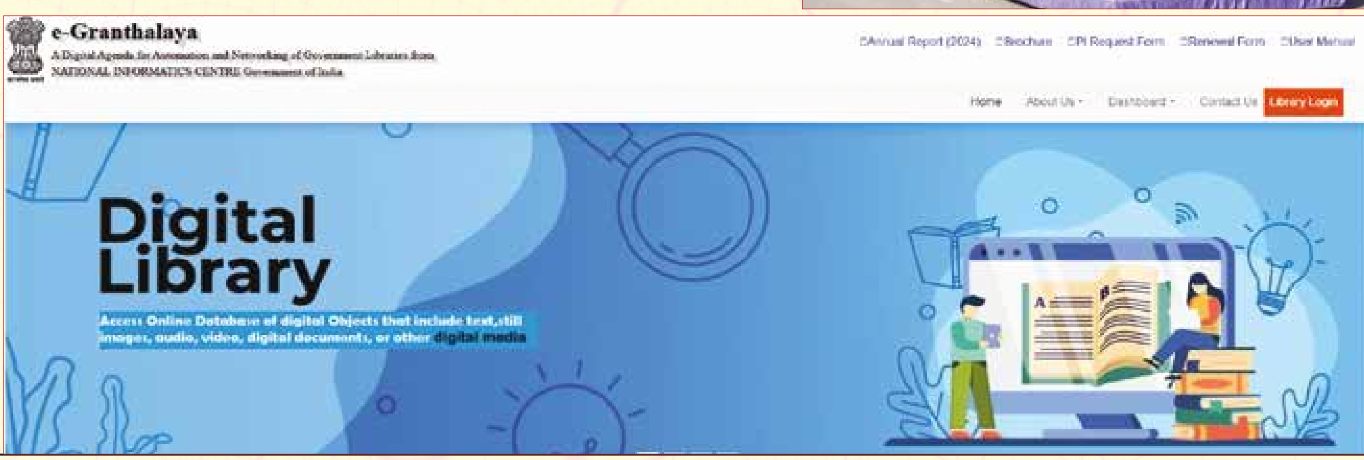

आगे की दिशा

बल प्रयोग

संयुक्तता ↔ एकीकरण ↔ थिएटर कमांड्स ↔ भविष्य के तीव्र सुधारों की नींव

बल सृजन

संयुक्त कमांडर सम्मेलन 2025 : प्रमुख निष्कर्ष

- लॉजिस्टिक्स का एकीकरण
- समान सैन्य स्टेशन
- शिक्षा शाखा का विलय
- त्रि-सेवा संगठनों का सह-स्थान

"हम एक टीम हैं और भारत सुरक्षित व शांतिपूर्ण है यह सुनिश्चित करने के लिए एक बल के रूप में कार्य करते है"

– जनरल बिपिन रावत

थलसेनाध्यक्ष पृष्ठ

थलसेनाध्यक्ष ने 07 अक्टूबर 2025 को प्रसिद्ध अभिनेता एवं 'दादासाहेब फाल्के पुरस्कार' से सम्मानित लेफ्टिनेंट कर्नल (मानद) मोहनलाल को राष्ट्र निर्माण योजनाओं तथा भारतीय सेना के मानवीय सहायता प्रयासों में उनके अटूट समर्पण एवं सतत सहयोग के लिए सम्मानित किया।

थलसेनाधयक्ष ने पाँच पूर्व थलसेनाध्यक्षों के साथ 'शौर्य दिवस' के अवसर पर 26 अक्टूबर 2025 को वार्षिक इन्फैंट्री जर्नल 'राइफल एंड बेयोनेट' के तीसरे संस्करण का अनावरण किया। यह प्रकाशन इन्फैंट्री के अदम्य साहस, सर्मपण, वीरता और बलिदान को समर्पित है।

थलसेनाध्यक्ष ने 01 अक्टूबर 2025 को भुज वायुसेना स्टेशन का दौरा किया और भारतीय वायुसेना के सभी रैंकों के साथ संवाद किया। उन्होंने राष्ट्र की सुरक्षा में उनके पेशेवर कौशल, समर्पण और संयुक्तता की अदम्य भावना तथा राष्ट्र निर्माण में उनके निस्वार्थ योगदान की सराहना की।

थलसेनाध्यक्ष ने 18 अक्टूबर 2025 को पिथौरागढ़ स्थित पंचशूल ब्रिगेड और कुमाऊँ क्षेत्र के अग्रिम इलाकों का दौरा किया, जहाँ उन्होंने फॉर्मेशन की संचालनात्मक तैयारियों की समीक्षा की और सैनिकों के साथ दीपावली मनाई। उन्होंने फॉर्मेशन द्वारा जिओ-थर्मल ऊर्जा समाधानों और अन्य हरित योजनाओं को अपनाने की सराहना की, जिससे सतत रक्षा क्षमताओं में वृद्धि हुई हैं।

थलसेनाध्यक्ष ने विश्व पैरा एथलेटिक्स चौम्पियनशिप 2025 के दौरान उत्कृष्ट एथलीटों को सम्मानित किया और उन्हें पद्क प्रदान किए। यह आयोजन 27 सितम्बर से 5 अक्टूबर 2025 तक नई दिल्ली के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में आयोजित किया गया। नई दिल्ली 2025 विश्व पैरा एथलेटिक्स चौम्पियनशिप इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता का 12वां संस्करण था और भारत में अब तक आयोजित सबसे बड़ी पैरा खेल प्रतियोगिता थी।

79वें शौर्य दिवस समारोह के अंतर्गत 'शौर्य वीर रन फॉर इंडिया' के प्रथम संस्करण का आयोजन 26 अक्टूबर 2025 को पूरे देश में 21 स्थानों पर किया गया, जिसमें 35,000 से अधिक धावकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। दिल्ली छावनी में यह प्रमुख आयोजन करिअप्पा परेड ग्राउंड में आयोजित किया गया, जहाँ थलसेनाध्यक्ष ने इस दौड़ को हरी झंडी दिखाकर प्रारंभ किया।

संक्षिप्त

किर्गिस्तान आर्मी स्नाइपर कोर्स का द्वितीय संस्करण 09 अक्टूबर 2025 को संपन्न हुआ। यह कोर्स इन्फैंट्री स्कूल, मऊ में आयोजित किया गया था। विशेष रूप से तैयार की गई यह योजना भारतीय सेना और किर्गिस्तान सशस्त्र बलों के बीच बढ़ते रक्षा सहयोग और पारस्परिक विश्वास को रेखांकित करती है।

आर्मी कमांडर्स कॉन्फ्रेंस 2025 का आयोजन 23 से 25 अक्टूबर 2025 तक जैसलमेर में किया गया। इस सम्मेलन में भारतीय सेना के शीर्ष नेतृत्व ने भाग लेकर प्रमुख वैचारिक विषयों पर विचार-विमर्श किया, रणनीतिक प्राथमिकताओं की समीक्षा की तथा महत्वपूर्ण नीतिगत निर्णयों के लिए दिशा-निर्देश तैयार किए।

अभ्यास विद्युत विध्वंस, एक त्रि-सेवा बहु-क्षेत्रीय अभ्यास का आयोजन उत्तरी कमान मुख्यालय के तत्वावधान में 11 से 15 अक्टूबर 2025 तक किया गया। इस अभ्यास में केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल, अन्य सेनाएँ, केंद्र सरकार की विभिन्न एजेंसियों और निजी क्षेत्र के प्रतिभागियों ने भाग लिया। यह अभ्यास निरंतर विकसित हो रहे सुरक्षा परिदृश्य में एकीकृत तथा राष्ट्रव्यापी दृष्टिकोण के महत्व को रेखांकित करता है।

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच संयुक्त द्विपक्षीय सैन्य अभ्यास "ऑस्ट्राहिंद" का आयोजन 13 से 26 अक्टूबर 2025 तक इर्विन बैरक, पर्थ (ऑस्ट्रेलिया) में किया गया।

जापान ग्राउंड सेल्फ-डिफेंस फोर्स के 14 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने अपने अध्ययन भ्रमण यात्रा के अंतर्गत 27 अक्टूबर 2025 को वारगेम रिसर्च एंड डेवलपमेंट सेंटर (डब्ल्यूएआरडीईसी) का दौरा किया। प्रतिनिधिमंडल को डब्लयूएआरडीईसी में विकसित विभिन्न कंप्यूटर वारगेम्स और कंप्यूटर सहायक उपकरणों के बारे में जानकारी दी गई।

आर्मी विमेन्स वेलफेयर एसोसिएशन (एडब्ल्यूडब्ल्यूए) को महिला एवं बाल विकास के क्षेत्र में उनके सर्मपण और प्रभाव के लिए 05 अक्टूबर 2025 को संत ईश्वर फाउंडेशन द्वारा प्रतिष्ठित "संत ईश्वर विशिष्ट सेवा सम्मान" प्रदान किया गया। यह सम्मान ऑपरेशन सिंदूर के दौरान परिवारों के लिए सुरक्षित वातावरण और मार्गदर्शन प्रदान करने में एडब्ल्यूडब्ल्यूए स्वयंसेवकों की उत्कृष्ट भूमिका को भी मान्यता देता है।

संयुक्त राष्ट्र सैनिक योगदानकर्ता देशों के प्रमुखों का सम्मेलन

उद्देश्य : सतत् संयुक्त राष्ट्र शांति स्थापना अभियानों हेतु क्षमता निर्माण और संसाधन जुटाना

32 देशों के 116 प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

ध्यान केन्द्रित करने वाले क्षेत्र

- शांति स्थापना में आगे की दिशा
- नए युग की प्रौद्योगिकियों का समावेश
- महिलाओं की सशक्त एवं विस्तारित भूमिका
- मिशन क्षेत्रों में प्रयासों का समन्वय

संयुक्त राष्ट्र बल प्रदर्शन

पूर्व सैनिक कॉर्नर

01 अक्टूबर 2025, भुज

02 अक्टूबर 2025, बीकानेर

19 अक्टूबर 2025, पिथौरागढ़

17 अक्टूबर 2025, नई दिल्ली

थलसेनाध्यक्ष ने सेवानिवृत्त अधिकारी सेमिनार के दौरान भुज, पिथौरागढ़, बीकानेर और नई दिल्ली में अपने दौरे के समय विशिष्ट पूर्व सैनिकों को "वेटरन्स अचीवर्स अवॉर्ड" से सम्मानित किया। यह सम्मानित पूर्व सैनिक वर्दी से परे भी राष्ट्र के प्रति निस्वार्थ सेवा का उदाहरण प्रस्तुत करते हैं तथा समाज के उत्थान हेतु विविध प्रभावशाली योजनाओं के माध्यम से योगदान दे रहे हैं।

11 अक्टूबर 2025, देहरादून

14 अक्टूबर 2025, जम्मू छावनी

14 अक्टूबर 2025, जम्मू छावनी

विशाल पूर्व सैनिक रैलियाँ 11 अक्टूबर 2025 को देहरादून में आयोजित की गई, जिनमें चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान ने भाग लिया। 14 अक्टूबर 2025 को जम्मू छावनी में 1965 के भारत-पाक युद्ध में भारत की विजय की हीरक जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित रैली में जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल श्री मनोज सिन्हा उपस्थित रहे। इसके अलावा, 25 अक्टूबर 2025 को अहिल्यानगर में भी एक रैली आयोजित की गई। इन रैलियों में पूर्व सैनिकों, वीर नारियों तथा उनके परिवारों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

इस माह का उपकरण

टी-90एस “भीष्म”

टी-90एस “भीष्म” भारतीय सेना का मुख्य युद्धक टैंक (एमबीटी) है। यह रूसी टी-90एस का एक संस्करण है, जिसे भारतीय परिचालन आवश्यकताओं के अनुरूप बनाया गया है। पहला टी-90एस, जिसे ‘भीष्म’ नाम दिया गया, जनवरी 2004 में हेवी व्हीकल्स फैक्ट्री (एचवीएफ), अवडी में तैयार होने के बाद औपचारिक रूप से भारतीय सेना को सौंपा गया। इससे भारत में लाइसेंस उत्पादन हेतु प्रौद्योगिकी हस्तांतरण के साथ बड़े पैमाने पर शामिल करने योजना की शुरुआत हुई, जिसने ‘भीष्म’ को देश की बख्तरबंद सेना की रीढ़ बना दिया।

तकनीकी श्रेष्ठता

- **मुख्य आयुधः** 125 मिमी 2.46 स्मूथ-बोर तोप, स्वचालित लोडरयुक्त।
- **द्वितीय आयुधः** कोएक्सियल 7.62 मिमी पीकेटी मशीन गन तथा वायु रक्षा हेतु 12.7 मिमी एनएसवीटी हैवी मशीन गन।
- **गोला बारूदः** आर्मर-पीयरसिंग फिन-स्टेबलाइज्ड डिसकार्डिंग सबोट (एपीएफएसडीएस), हाई-एक्सप्लोसिव एंटी-टैंक (एचईएटी), हाई-एक्सप्लोसिव फ्रैगमेंटेशन (एचई-एफआरएजी) तथा नाल-प्रक्षेपित टैंक-रोधी गाइडिड मिसाइलें (एटीजीएमएस)।
- **इंजिनः** मल्टी-फ्यूल, लिक्विड-कूल्ड वी-9252 12-सिलेंडर डीजल इंजन, लगभग 1,000 हॉर्सपावर पैदा करता है।
- **गतिशीलताः** अधिकतम गति 60 किमी/प्रति घंआ; विभिन्न भू-भागों पर उच्च मन्यूवरबिलिटी के लिए डिजाइन।
- **क्रूः** तीन सदस्य : कमांडर, गनर और ड्राइवर।

मुख्य विशेषताएँ

- **विस्फोटक प्रतिक्रियाशील कवच (ईआरए):** इसमें उच्च विस्फोटक एंटी-टैंक (एचईएटी) और काइनेटिक ऊर्जा प्रोजेक्टाइल, दोनों के विरुद्ध सुरक्षा बढ़ाने के लिए कॉन्टैक्ट-5 ईआरए की सुविधा है।
- **फायर नियंत्रण प्रणालीः** उच्च सटीकता के लिए अग्नि नियंत्रण प्रणाली (एफसीएस) का उपयोग करता है, जिसमें दिन और रात लक्ष्य का पता लगाने के लिए गनर की थर्मल इमेजिंग दृष्टि शामिल है।
- **सुरक्षाः** खतरनाक वातावरण में चालक दल की सुरक्षा के लिए एक पूर्ण परमाणु, जैविक और रासायनिक (एनबीसी) सुरक्षा प्रणाली शामिल है।

भारतीय सेना में भूमिका

टी-90एस “भीष्म” भारतीय सेना की बख्तरबंद संरचनाओं की रीढ़ और प्राथमिक प्रहारक हथियार के रूप में कार्य करता है, जो आक्रामक अभियानों और सीमा सुरक्षा के लिए आवश्यक भारी मारक क्षमता प्रदान करता है। यह सेना की ‘स्ट्राइक कोर’ का एक प्रमुख घटक है और पारंपरिक खतरों के विरुद्ध रक्षात्मक मुद्रा और त्वरित प्रतिक्रिया क्षमता सुनिश्चित करने के लिए पश्चिमी और उत्तरी, दोनों सीमाओं पर रणनीतिक रूप से तैनात है। इसकी उन्नत मारक क्षमता, विशेष रूप से मुख्य बैरल से एटीजीएम दागने की क्षमता, इसे दुश्मन के बख्तरबंद वाहनों के विरुद्ध एक महत्वपूर्ण ‘स्टैंड-ऑफ’ क्षमता प्रदान करती है। इस टैंक का निरंतर आधुनिकीकरण और ओवरहाल, जिसमें हाल ही में स्वदेशी तकनीकी कौशल का एकीकरण भी शामिल है। यह सेना की परिचालन तत्परता और मुख्य युद्धक प्लेटफार्मों को बनाए रखने में आत्मनिर्भरता के दीर्घकालिक लक्ष्य में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित करता है।

बडगाम का युद्ध

3 नवंबर 1947 को भारत-पाकिस्तान युद्ध के शुरुआती दौर में 1947-48 में भारतीय सेना ने अपनी सबसे निर्णायक रक्षात्मक लड़ाइयों में से एक - बडगाम की लड़ाई लड़ी। भारतीय सैनिकों को नए विलय किए गए जम्मू और कश्मीर राज्य की रक्षा के लिए हवाई मार्ग से भेजे जाने के कुछ ही दिन बाद यह लड़ाई कश्मीर घाटी में श्रीनगर हवाई अड्डे के पास हुई थी। एक हजार से ज्यादा की संख्या में पाकिस्तानी कबायली हमलावर हवाई अड्डे पर कब्जा करने और घाटी में भारत की एकमात्र जीवनरेखा को काटने के इरादे से श्रीनगर की ओर तेजी से बढ़ रहे थे। इस बढ़त को रोकने का जिम्मा मेजर सोमनाथ शर्मा के नेतृत्व में 4 कुमाऊँ रेजिमेंट की डी कंपनी को दिया गया।

उस नाजुक मोड़ पर, घाटी में भारतीय उपस्थिति कमजोर थी। आनन-फानन में इकट्ठी की गई केवल एक ब्रिगेड, जिसे हाल ही में पंजाब में शरणार्थियों की सुरक्षा से वापस बुलाया गया था, दुश्मन और श्रीनगर के बीच खड़ी थी। दुश्मन की गतिविधियों का अंदाजा लगाने के लिए, 161 इन्फैंट्री ब्रिगेड के कमांडर, ब्रिगेडियर एल.पी. सेन ने बडगाम के आसपास की पहाड़ियों में गश्त का आदेश दिया। मेजर सोमनाथ शर्मा की कंपनी को दोपहर तक वापस लौटने से पहले जमीन पर डटे रहना था और दुश्मन की गतिविधियों की सूचना देनी थी। हालाँकि, जैसे-जैसे दिन चढ़ता गया, मेजर शर्मा ने बडगाम गाँव के पास संदिग्ध गतिविधियाँ देखीं और सही अनुमान लगाया कि इस शांति के पीछे पश्चिम की ओर एक बड़े पैमाने पर दुश्मन के हमले की आशंका छिपी हुई है।

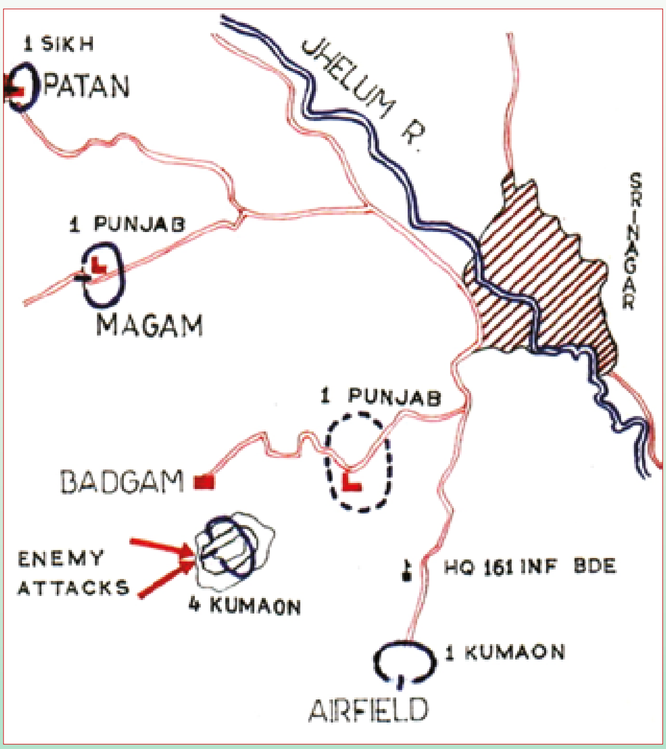

परमवीर चक्र

मेजर सोमनाथ शर्मा

दोपहर साढ़े तीन बजे तक, दुश्मन ने भीषण हमला बोल दिया। मेजर शर्मा और उनके साथियों ने जल्द ही खुद को संख्या में लगभग सात गुना अधिक दुश्मन की सेना से घिरा पाया। वह तीन तरफ से घिरे हुए थे, और लगातार मोर्टार और छोटे हथियारों से गोलीबारी का सामना कर रहे थे। भारी गोलाबारी के बावजूद, उन्होंने पीछे हटने से इनकार कर दिया। वह समझते थे कि बडगाम को खोने से श्रीनगर और महत्वपूर्ण हवाई क्षेत्र, दोनों ही खतरे में पड़ जाएँगे, जिससे कश्मीर का भविष्य खतरे में पड़ जाएगा। असाधारण नेतृत्व का परिचय देते हुए, वह निडरता से एक चौकी से दूसरी चौकी तक गए, अपने जवानों को स्थिर रखा और उन्हें अंत तक लड़ने के लिए प्रेरित किया।

दो प्लाटून पूरी तरह खत्म हो जाने के बावजूद 4 कुमाऊँ की डी कंपनी ने अटूट संकल्प के साथ अपनी स्थिति बनाए रखी। मेजर शर्मा का ब्रिगेड मुख्यालय को भेजा गया अंतिम संदेश वीरता का प्रतीक बन गया: "दुश्मन हमसे केवल 50 गज की दूरी पर है। हम संख्या में बहुत कम हैं। मैं एक इंच भी पीछे नहीं हटूँगा बल्कि अंतिम आदमी और अंतिम गोली तक लड़ूँगा।"

कुछ ही क्षण बाद, एक मोर्टार गोला मेजर शर्मा के पास आकर फटा, जिससे वे वीरगति को प्राप्त हो गए। फिर भी, उनके साहस से प्रेरित होकर उनके जवान अंत तक डटे रहे, जब तक कि लगभग सभी वीरगति को प्राप्त न हो गए। उनकी वीरतापूर्ण प्रतिरोध कार्रवाई ने 200 से अधिक दुश्मनों को ढेर कर दिया और जनजातीय हमलावरों को आगे बढ़ने से रोकने पर मजबूर कर दिया। अगले दिन, 1 पंजाब रेजिमेंट की टुकड़ियाँ वहाँ पहुँचीं, जिन्होंने बडगाम पर नियंत्रण स्थापित किया और श्रीनगर सेक्टर को स्थिर कर दिया, जिससे वायुक्षेत्र और घाटी की सुरक्षा सुनिश्चित हुई।

उनकी अतुलनीय वीरता और नेतृत्व के लिए, मेजर सोमनाथ शर्मा को मरणोपरांत स्वतंत्र भारत का प्रथम परमवीर चक्र प्रदान किया गया। बडगाम की लड़ाई कश्मीर की रक्षा में एक निर्णायक मोड़ सिद्ध हुई और भारतीय सेना की उस अदम्य साहस की भावना की अमर गवाही बनी - गोली के बीच साहस, कर्तव्य हेतु बलिदान, और असंभव परिस्थितियों में भी डटे रहने का अटूट संकल्प।

साइबर/वित्तीय धोखाधड़ी की रिपोर्ट करना

साइबर/वित्तीय धोखाधड़ी के पीड़ितों द्वारा की जाने वाली कार्रवाई: रक्षाकर्मी

वित्तीय/साइबर धोखाधड़ी होने पर, तुरंत **1930** हेल्पलाइन पर या राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल www.cybercrime.gov.in पर पहले 30 मिनट के अंदर शिकायत दर्ज करें – **सुनहरा समय 30 मिनट**

संबंधित एजेंसियों के साथ आगे की कार्रवाई के लिए पावती संख्या सेना के व्हाट्सएप हेल्पलाइन नंबर **8800001930** पर साझा करें

आगे होने वाले नुकसान को रोकने और नुकसान की भरपाई के लिए सभी कदम उठाए जाएँगे

प्रादेशिक सेना में भर्ती रैली

मध्य कमान (जोन-II)

15 नवंबर-14 दिसंबर 2025

1. मध्य कमान (जोन-II) की प्रादेशिक सेना (टीए) इकाइयों में जिलेवार भर्ती के लिए चरण-I (फिजिकल और मेडिकल) 15 नवंबर 2025 से 14 दिसंबर 2025 तक बिहार, छत्तीसगढ़, झारखंड, मध्य प्रदेश, ओडिशा और उत्तर प्रदेश राज्यों के लिए निम्नलिखित स्थानों पर आयोजित किया जाएगा:-

क्रम सं.	भर्ती रेलियों का स्थान	आयोजित करने वाले यूनिट	सेंट्रल कमान की जोन 2 की 108 TA, 111 TA, 114 TA, 120 TA, 151 TA, 153 TA और 155 TA के लिए भर्ती आयोजित की जा रही हैं
(अ)	सोफीपुर लॉग रेंज मेरठ कैंट (उत्तर प्रदेश), पिन- 250001	153 Inf Bn (TA) DOGRA	
(ब)	महार रेजीमेंट सेंटर सागर (मध्य प्रदेश) पिन- 470001	108 Inf Bn (TA) MAHAR	
(स)	रंगीलुंडा, बीहामपुर गंजम डिस्ट्रिक्ट (उड़ीसा) पिन-760007	120 Inf Bn (TA) BIHAR	
(द)	मुख्यालय कोसा नया रायपुर (छत्तीसगढ़) पिन-492001	155 Inf Bn (TA) JAK RIF	

2. चरण-1 में चयनित उम्मीदवारों को लिखित परीक्षा (चरण-2) देनी होगी, जिसकी तिथि, समय और स्थान बाद में सूचित किया जाएगा। लिखित परीक्षा में नकारात्मक अंकन होगा।

3. पात्रता मानदंड और अन्य विस्तृत जानकारी के लिए, कृपया रोजगार समाचार पत्र में प्रकाशित विज्ञापन (25 अक्टूबर 2025) देखें।

भर्ती के लिए रिक्तियां - 792			
सिपाही (सामान्य ड्यूटी)	752	सिपाही (Artisan Metallurgy)	02
सिपाही (क्लर्क)	06	सिपाही (Artisan Wood Work)	02
सिपाही (शैफ)	07	सिपाही (Dresser)	03
सिपाही (शैफ स्पेशल)	01	सिपाही (Tailor)	01
सिपाही (मैस कुक)	02	सिपाही (House Keeper)	10
सिपाही (स्टीवार्ड)	02	सिपाही (Washerman)	04

ARMY INSTITUTE OF MANAGEMENT & TECHNOLOGY

(NAAC ACCREDITED; AFFILIATED TO GURU GOBIND SINGH INDRAPRASTHA UNIVERSITY (GGSIPU), DELHI)
AICTE APPROVED

ADMISSION OPEN
(प्रवेश प्रारम्भ)

MBA, MBA(ANALYTICS) & BBA

APPLICATIONS ARE INVITED FROM WARDS/CHILDREN OF DEFENCE PERSONNEL (SERVING/RETIRED)

AIMT ADMISSION OPEN FOR MBA, MBA(ANALYTICS)& BBA

WHY CHOOSE AIMT ?

- ARMY ETHOS
- ACADEMIC EXCELLENCE,
- BEST INFRASTRUCTURE,
- RESIDENCIAL CAMPUS,
- 100% PLACEMENT & INTERNSHIP
- OFFERED SALARY : 8 TO 12 LAKHS

ADMISSIONMBA@AIMT.AC.IN
ADMISSIONBBA@AIMT.AC.IN

ADMISSION TEST APPLICABLE

- FOR BBA: GGSIPU CET, CUET(UG).
- FOR MBA: CAT,CMAT,GGSIPU CET, CUET (PG)

CONTACT FOR DETAILS

- FOR BBA : 7503791074
- FOR MBA, MBA(A) : 8920177643, 7990671341

WEBSITE : WWW.AIMT.AC.IN

Entrance Exam Details

MBA Entrance Examination Details

Exam Type	Start Date	Last Date	Exam Date	Result Declaration	Registration Link
CAT-2025	01-Aug-2025	20-Sep-2025	30-Nov-25	1st Week of Jan-2026	https://iimcat.ac.in/
CMAT-2026	17-Oct-2025	18-Nov-2025	Jan-Feb 2026	April-2026	https://cmat.nta.nic.in/
CUET(PG)-2026	Jan-Feb 2026	Feb 2026	Mar 2026	April-2026	https://exams.nta.ac.in/CUET-PG/
CET-2026 (Conducted by GGSIP University Delhi)	Jan-Feb 2026	Feb 2026	Mar 2026	April-2026	https://ipu.admissions.nic.in/

BBA Entrance Examination Details

Exam Type	Start Date	Last Date	Exam Date	Result Declaration	Registration Link
CUET(UG)-2026	Jan-Feb 2026	Feb 2026	Mar 2026	April-2026	https://exams.nta.ac.in/CUET-PG/
CET-2026 (Conducted by GGSIP University Delhi)	Jan-Feb 2026	Feb 2026	Mar 2026	April-2026	https://ipu.admissions.nic.in/

जानकारी के लिए संपर्क करें

प्रकाशक: स्ट्रेटजिक कम्युनिकेशन, रक्षा मंत्रालय (सेना), आईएचक्यू का अतिरिक्त महानिदेशालय

संपादक बातचीत ईमेल: editorbaatcheet@gmail.com

संपर्क नंबर: 011-23018665

प्रिंटर: एनीथिंग प्रिंटर, **फोन:** 011-45685718

BAATCHEET